भारत सरकार
विदेश मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या– 973
दिनांक 05/12/2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

काबुल में भारतीय दूतावास का पुनः खोला जाना

973. **एडवोकेट गोवाल कागडा पाडवीः**
डॉ. प्रशांत यादवराव पडोलेः

क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या भारत ने 21 अक्टूबर 2025 को काबुल में अपना दूतावास पुनः खोल दिया है, जिससे चार वर्षों के बाद पूर्ण राजनियक मिशन बहाल हो गया है;
(ख) यह रुख, विकास और मानवीय सहयोग तथा यह सुनिश्चित करने के प्रयास कि अफगान क्षेत्र का उपयोग भारत के विरुद्ध सरकार के इतर तत्वों द्वारा न किया जाए, के साथ-साथ, भारत की व्यापक अफगान नीति हेतु किस प्रकार उपयुक्त है;
(ग) इस राजनयिक प्रगति के बाद अफगानिस्तान में भारत द्वारा वित्तपोषित कितनी विकास परियोजनाएं नियोजित या संचालित है और क्या भारतीय मंत्रालय या एजेंसी इनमें से प्रत्येक परियोजना के लिए जिम्मेदार हैं;
(घ) मंत्रालय का इस सहयोग के परिणामों का किस प्रकार मूल्यांकन करने का विचार है;
(ङ) क्या राज्य-वार/क्षेत्र-वार एक सार्वजनिक डैशबोर्ड उपलब्ध होगा; और
(च) विदेश मंत्रालय को अफगानिस्तान में पूर्ण राजनयिक, वाणिज्य दूतावास और परियोजना-कार्यान्वयन बनाए रखना कब तक होने की अपेक्षा है और पहली समीक्षा रिपोर्ट के प्रकाशन की अपेक्षित समय-सीमा क्या है?

उत्तर
विदेश राज्य मंत्री
[श्री कीर्तवर्धन सिंह]

(क से च) अफगानिस्तान के प्रति भारत का दृष्टिकोण, गहरे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों के साथ इसका निकटवर्ती पड़ोसी, हमेशा अफगान लोगों के साथ हमारी लंबे समय से चली आ रही मित्रता और विशेष संबंधों द्वारा निर्देशित रहा है।
भारत, अफगान प्राधिकारियों के साथ व्यावहारिक जुड़ाव का अनुसरण करता है, जिसने हमें अपने हितों की रक्षा करने और मानवीय सहायता की सुविधा प्रदान करने तथा अफगान लोगों की विकासात्मक आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम बनाया है। इस दृष्टिकोण के अनुरूप, सरकार ने दिनांक 21 अक्टूबर 2025 से काबुल में भारत के तकनीकी मिशन का दर्जा अफगानिस्तान में भारत के दूतावास जैसा कर दिया है।

अफगानिस्तान के साथ भारत की विकास साझेदारी में विद्युत, जल आपूर्ति, संपर्कता, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, कृषि और क्षमता निर्माण जैसे प्रमुख क्षेत्रों में विभिन्न प्रांतों में 500 से अधिक परियोजनाएं शामिल हैं। काबुल में हमारा दूतावास, अफगानिस्तान में विकास परियोजनाओं की स्थिति की निगरानी करना जारी रखता है।

****